पाठ्यक्रमः शांति और संघर्ष समाधान का परिचय (एम जी पी –005)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी–005/ए एस एस टी/टी एम ए/2025–26
पूर्णांकः 100

आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्नों का चयन करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द–सीमा लगभग 500 शब्द हैं। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग – I

1. न्याय के विभिन्न अर्थों की विस्तार से चर्चा कीजिए।

2. सहभागी लोकतंत्र के लिए किस प्रकार की संस्थागत व्यवस्था की आवश्यकता होती है और क्यों?

3. संघर्षों के कितने प्रकारों की पहचान अथवा परिकल्पना की जा सकती है? प्रमुख समाजशास्त्रियों, राजनीति विज्ञानियों तथा शांति एवं संघर्ष अध्ययन के विशेषज्ञों का उल्लेख करते हुए उत्तर दीजिए।

4. भारत में वंचित समूहों की क्षमता को समान करने के उद्देश्य से संचालित विभिन्न आर्थिक कार्यक्रमों की पहचान कीजिए।

5. जर्मनी, इज़राइल, कनाडा, यूनाइटेड किंगडम (यूके), संयुक्त राज्य अमेरिका (यूएसए) तथा भारत में शांति आंदोलन के इतिहास का संक्षेप में वर्णन कीजिए।

भाग – II

प्रश्न के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में टिप्पणी कीजिए :

6. क) संघर्ष समाधान की दमनकारी (coercive) विधियाँ
   ख) धार्मिक सौहार्द (religious harmony) पर भारतीय चिंतक

7. क) शांति की संस्कृति को बनाए रखने के लिए संस्कृतिग्रहण (encultuation) एवं शिक्षा के महत्व
   ख) कुंठा–आक्रामकता समुच्चय (frustration-aggression complex) तथा सापेक्ष वंचना सिद्धांत (relative-deprivation theory)

8. क) रॉल्स के न्याय के सिद्धांत
   ख) मानव सुरक्षा के प्रति प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष खतरे

9. क) विवादों के शांतिपूर्ण समाधान के मंच के रूप में लोक अदालत (Lok Adalat)
   ख) अहिंसक सत्याग्रह

10. क) धार्मिक आतंकवाद बनाम आर्थिक वंचना से उत्पन्न आतंकवाद
    ख) यूनेस्को (UNESCO) एवं शांति शिक्षा